भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 3093
दिनांक 20 अगस्त, 2025 के लिए प्रश्न

दुग्ध क्षेत्र हेतु व्यापक विधिक ढांचा

3093 डा. अजीत माधवराव गोपछड़ेः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार डेयरी क्षेत्र के लिए एक व्यापक विधिक ढांचा लाने का विचार रखती है जिसमें सुरक्षा, लेबलिंग, भंडारण और वितरण, दूध संग्रहण केंद्र, मिल्क हैंडलिंग इक्विप्मेंट, दूध परिवहन वाहन, डेयरी संयंत्र संचालन और दूध एवं डेयरी उत्पादों के लिए मानक जैसे सभी पहलू शामिल हों, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ख) क्या सरकार ने इस मुद्दे के संबंध में केन्या, अल्बर्टा और ऑस्ट्रेलिया की सरकारों के डेयरी अधिनियमों का संज्ञान लिया है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री
(प्रो. एस. पी. सिंह बघेल)

(क) भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI), खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत स्थापित नोडल प्राधिकरण है जो खाद्य पदार्थों के लिए विज्ञान-आधारित मानक निर्धारित करता है और मानव उपभोग के लिए सुरक्षित एवं पौष्टिक भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु उनके निर्माण, भंडारण, वितरण, बिक्री और आयात को विनियमित करता है। इस संबंध में, एफएसएसएआई ने सुरक्षा, स्वच्छता, लेबलिंग और गुणवत्ता मानक सहित दूध और दूध उत्पादों के विभिन्न पहलुओं को कवर करते हुए व्यापक विनियमों को अधिसूचित किया है। ये विनियम पूरे देश में बाध्यकारी हैं और भारत में डेयरी उत्पादों की सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक कानूनी रूपरेखा तैयार करते हैं।

इसके अलावा, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और भारतीय मानक ब्यूरो ने उत्पाद-विशिष्ट गुणवत्ता बेंचमार्क और दिशानिर्देश तैयार किए हैं। खाद्य प्रसंस्करण और उद्योग मंत्रालय तथा पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार डेयरी क्षेत्र में अवसंरचना के आधुनिकीकरण, उन्नत प्रसंस्करण तकनीकों को अपनाने और सुरक्षित वितरण प्रणालियों का सहयोग करने वाली अनेक योजनाओं को कार्यान्वित कर रहे हैं।

पशुपालन और डेयरी विभाग (DAHD), भारत सरकार संशोधित राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (DAHD) के तहत, डेयरी किसानों, दूध का रख-रखाव करने वालों और प्रयोगशाला कर्मियों को गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु प्रशिक्षण प्रदान करके डेयरी मूल्य श्रृंखला में क्षमता निर्माण में सक्रिय रूप से संलग्न है। इसके अतिरिक्त, विभाग नई और मौजूदा डेयरी सहकारी समितियों को आधुनिक गुणवत्ता परीक्षण उपकरणों और किटों से सुसज्जित कर रहा है ताकि ग्राम स्तर पर वास्तविक समय-आधार पर गुणवत्ता मूल्यांकन संभव हो सके। इन पहलों का उद्देश्य सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता वाले दूध की खरीद को सुदृढ़ करना है, जिससे घरेलू पद्धतियों को वैश्विक डेयरी मानकों के अनुरूप बनाया जा सके।

(ख) इस संबंध में कोई आधिकारिक सूचना नहीं है।

*****